आगरा में ताज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तेजी से विकसित किया जाएगा

मार्च 2013 तक हो जाएगा परियोजना स्थल चयन

लखनऊ, 18 दिसम्बर 2012:

प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आगरा में ताज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को तेजी से लागू किया जाएगा। **राज्य सरकार ने इस परियोजना को शीर्ष प्राथमिकता पर विकसित कराने का निर्णय किया है** क्योंकि ताजमहल दक्षिण एशिया में सबसे अधिक स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने वाला पर्यटन केन्द्र है। इस परियोजना हेतु चयनित परामर्शी **राइट्स लि. एवं केपीएमजी एडवाइज़री सर्विसेज़ प्रा. लि. के कॉनसोरटियम ने आज यहाँ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अनिल कुमार गुप्ता के समक्ष हवाई अड्डा विकसित करने के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। परामर्शी से परियोजना हेतु स्थल के चयन को वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्त तक पूरा कर लेने के लिए निर्देशित किया गया।**

परियोजना हेतु स्थल का चयन इस प्रकार किया जाएगा, जिससे आवश्यक अनापत्तियाँ व स्वीकृतियाँ बिना किसी अड़चन के तेजी से प्राप्त हो सकें।

सार्वजनिक–निजी सहभागिता (पीपीपी) के आधार पर क्रियान्वित की जाने वाली इस परियोजना के समयबद्ध विकास के लिए राज्य सरकार प्रशासन के सभी स्तरों पर पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अनिल कुमार गुप्ता ने कहा– ***"इसमें कोई सन्देह नहीं कि ताजमहल के निकट इस हवाई अड्डे के बन जाने से पर्यटकों की संख्या तो बढ़ेगी ही, इससे यात्रियों, उद्यमियों और निर्यातकों को भी त्वरित परिवहन की सुविधा मिलेगी।"***

उन्होंने कहा *कि* ***इतना ही नहीं, क्योंकि नवीन हवाई अड्डा प्रस्तावित आगरा–लखनऊ प्रवेश नियंत्रित एक्सप्रेसवे के निकट बनाने की योजना है, अतः इस क्षेत्र के, विशेष रूप से अलीगढ़, फिरोज़ाबाद, कानपुर, आगरा, इटावा आदि के औद्योगिक उत्पादों को सुलभ निर्यात कार्गो बिन्दु उपलब्ध हो सकेगा। प्रस्तावित हवाई अड्डा ताजमहल के साथ–साथ अन्य प्रस्तावित पर्यटक केन्द्रों एवं ऐतिहासिक धरोहर स्थलों जैसे आगरा फोर्ट, बुलन्द दरवाजा व फतेहपुर सीकरी को भी विश्व से सीधे जोड़ेगा।***

आगरा में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के महत्व पर जोर देते हुए पर्यटन के महानिदेशक मनोज कुमार ने कहा कि हमारी योजना है कि आगामी 5 वर्षों में ताजमहल जाने वाले पर्यटकों की संख्या को 40 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ किया जाए। उन्होंने बताया कि 40 प्रतिशत् विदेशी पर्यटक ताजमहल देखने के लिए ही आते हैं।

परियोजना हेतु परामर्शी द्वारा तकनीकी व आर्थिक फिज़ीबिलिटी रिपोर्ट, मास्टर प्लान, विकासकर्ता के चयन हेतु बिड प्रलेख व रियायती अनुबन्ध आदि तैयार किया जाएगा। फिज़ीबिलिटी स्टडी व विभिन्न सर्वे के अन्तर्गत परियोजना स्थल चयन, यातायात आकलन, वित्तीय व राजस्व मॉडल, वायुमण्डलीय व भौगोलिक डाटा संकलन आदि कार्य किया जाएगा।

यदि परियोजना में सभी कार्यवाही योजनानुसार हुई तो 4–5 वर्ष में आगरा में एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।